

O Blood and Water, which gushed forth from the Heart of Jesus as a fount of mercy for us, I trust in you. **(Diary, 84)**



**Petitions to the  
Divine Mercy**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus I Trust In You**

O Blood and Water, which gushed forth from the Heart of Jesus as a fount of mercy for us, I trust in you. **(Diary, 84)**



**Petitions to the  
Divine Mercy**

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

**Jesus I Trust In You**